

**लिखित**

(क) कविता का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए।

कविता का मूलभाव यह है कि हम मेहनत करके ही अपने लक्ष्य को पा सकते हैं।

(ख) सफलता का मूलमंत्र क्या है?

सफलता का मूलमंत्र मेहनत है।

(ग) हम अपनी इच्छाएँ पूरी कैसे कर सकते हैं?

जब हम बहुत मेहनत करेंगे, तभी हम अपनी इच्छाएँ पूरी कर सकते हैं।

(घ) सिंह को अपना शिकार करने के लिए क्या करना पड़ता है?

सिंह को अपना शिकार करने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है।

(ङ) मंजिल प्राप्त करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

मंजिल प्राप्त करने के लिए हमें मेहनत करनी चाहिए।

3. कविता का अंश

उद्यम किए बिना तो चींटा  
भी अपना घर बना न पाता।  
उद्यम किए बिना न सिंह को,  
भी अपना शिकार मिल पाता।

इच्छा पूरी होती तब, जब  
उसके साथ जुड़ा हो उद्यम।  
प्राप्त सफलता करने का है,  
'मूलमंत्र' उद्योग परिश्रम।

ऊपर दिए कवितांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) क्या किए बिना चींटा अपना घर नहीं बना पाता?

परिश्रम किए बिना चींटा अपना घर नहीं बना पाता।

(ख) इच्छा पूरी कब होती है?

जब हम बहुत परिश्रम करते हैं तभी हमारी इच्छा पूरी होती है।

(ग) 'सफलता' का विलोम शब्द लिखिए।

असफलता

(घ) बिना उद्यम के सिंह क्या प्राप्त नहीं कर पाता?

बिना उद्यम के सिंह अपना शिकार नहीं प्राप्त कर पाता।